समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

CM योगी आदित्यनाथ ने 43 दिन मे कंी 8180 जरूरतमंदों की मदद, बांटे 1.53 अरब रुपये।

Publisher Published on 17 May 2025

गरीबों का सहारा बने CM योगी, रिकॉर्ड समय मे ₹153 करोड़ की मदत।

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ** ने सिर्फ **43 दिनों मे 8,180** जरूरतमंद लोगों को **₹1.53 अरब (₹153 करोड़)** की आर्थिक सहायता देकर एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सरकार केवल घोषणाओं तक नहीं, जमीन पर भी संवेदनशीलता से काम कर रही है।

इस मदद के तहत **इलाज, बेटी की शादी, दुर्घटना, मृतक आश्रित,** और अन्य **सामाजिक आपदाओं** से जूझ रहे नागरिकों को सीधे सहायता दी गई।

CM विवेकाधीन कोष से पारदर्शी और तेज़ राहत व्यवस्था

यह पूरी सहायता **मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष** से दी गई है। **योगी आदित्यनाथ** ने **स्वयं जनता दर्शन, जनप्रतिनिधियों** और **पीड़ित परिवारों** द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्रों पर संज्ञान लिया और तत्काल सहायता जारी करने के निर्देश दिए।

इलाज से लेकर बेटी की शादी तक – यहां देखें सहायता का पूरा ब्योरा

मदत	लाभार्थी	सहायता राशि
इलाज हेतु सहायता	6,695 लोग	₹122 करोड़
कैसंर रोगी	875 मरीज	₹21.23 करोड़
किडनी रोगी	246 मरीज	₹4.2 करोड़
हृदय रोगी	98 मरीज	₹1.46 करोड़

बेटी की शादी	**20 परिवार**	**₹24 लाख**
मृतक आश्रित सहायता	**5 परिवार**	**₹32 लाख**
अन्य प्रकार की सहायता	**236 लोग**	**₹4.07 करोड़**

कैसंर और गंभीर बीमारियों के लिए राहत

सबसे ज्यादा मामले **कैसंर, किडनी** और **हृदय रोग** से पीड़ित मरीजों के रहे।
सीएम योगी ने इस वर्ग को विशेष प्राथमिकता देते हुए समय पर आर्थिक सहायता सुनिश्चित की।

सीएम योगी का संवेदनशील नेतृत्व

सीएम योगी प्रतिदिन जनता दर्शन के माध्यम से आमजन से मिलते हैं। वो न सिर्फ लोगों की शिकायतें सुनते हैं, बल्कि संबंधित विभागों को निर्देश देकर समस्याओं का त्वरित समाधान भी करवाते हैं।

सरकार की संवेदनशीलता का उदाहरण बना 2025-26 का शुरुआती दौर

2025-26 के पहले 43 दिन उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का सबसे सशक्त उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार का फोकस सिर्फ विकास नहीं, **सामाजिक न्याय** और **मानवीय सहायता** पर भी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.